YBS1-2-HI

आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप परमे· ार के साथ अनंतकाल बिताएंगे? - प्रोग्राम 2

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, सबसे महत्वपुर्ण धार्मिक सवाल जिसका जवाब आपको देना है/ आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप अनंतकाल परमेश्वर के साथ बिताएंगे/

डॉक्टर अरविन लुथजर: इस तरह से सोचिए, हमारे मरने के एक मिनट बाद/ एक तो हमने स्वर्ग में मसीह की सुंदरता या महीमा देखी, या हमने ऐसा कुछ देखा जो भयानक है/ जिसकी कल्पना से भी आज हम डर जाते हैं/ मतलब जब आप इसके बारे में सोचते हैं, सबसे महत्वपुर्ण सवाल हो हम कभी पुछ सकते हैं, वो है कि हम अनंतकाल कहाँ बिताएंगे?

अनाऊंसर: इस सवाल का जवाब देने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉक्टर अरविन लूथज़र/ सीनियर पास्टर हैं, मूडी मेमोरियल चर्च शिकागो इलनॉय के/ साथ ही ये इन सवालों का भी जवाब देगे/ बाइबल उनके बारे में क्या कहती है जो पहले मसीही विश्वास का अंगिकार करते हैं, और बाद में जीवन में विश्वासी होना छोड़ देते हैं/ यदि विश्वासी कुछ पापों का अंगिकार किए बिना मर जाता है/ तो क्या इससे परमेश्वर ने उसके लिए किए सारे काम बेकार हो जाएंगे? हम कैसे निश्चित जान सकते हैं, कि आज हम उद्धार पाएं हैं, कल और हमेशा के लिए उद्धार पाएं हैं? हम आपको जुड़ने का न्योता देते हैं, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं, आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताएंगे/ क्या इससे और कुछ महत्वपुर्ण है/ आप निश्चित जानना चाहते हैं, लोग सोचते हैं कि नही जान सकते/ लेकिन बाइबल कहती है कि हम जान सकते हैं, हम आपको बताएंगे, क्यों? और कैसे निश्चित जान सकते हैं, आज हमारा विषय है कि अनुग्रह इतना अदभुत क्यों है? हम सब इफिसियो 2:8 जानते हैं कि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है/ और यह तुम्हारी ओर से नही वरन परमेश्वर का दान है और न कामों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे/ हमें इन वचनों की गहराई जाननी होगी, और मेरे अच्छे दोस्त, डॉक्टर अरविन लूथर,

सिनियर पास्टर मूड़ी मेमोरियल चर्च यहाँ पर शिकागो में, इन्होंने इस पर अदभुत किताब लिखी है/ हम एक साथ इसे देख रहे हैं, और हमारा लक्ष्य है कि आपको बताएं, प्रभु के वचन से ये सत्य कि आप संगीत सुन सकते हैं, और आनंद आता है जब आप समझते हैं कि सच में अनुग्रह क्या है/ नंबर एक, मैं सोचता हूँ कि इस मुद्दे में जाने का सबसे उत्तम तरिका है, कि अनुग्रह इतना अदभुत क्यों है/ चलिए उसके बारे में बताईए जिसने भजन लिखें हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: हर कोई जानता है, ये गीत लिखनेवाला अमेज़िंग ग्रेस, लेकिन वो नही जानते हैं कि ये किस संदर्भ में लिखा गया है/ सबसे पहले जॉन न्युटन जो भयानक पापी थे, सच्चाई तो ये है कि वो लोगों को पुरस्कार देना चाहते थे, कि किसी तरह से कोई पाप है जिसे उन्होंने अब तक नही किया है/ तो वो वहाँ थे सन 1748 में, और वो एक जहाज पर थे, नाम था ग्रेहाऊन्ड/ और तब भयानक तुफान आता है, मतलब वो नाश होने पर थे/ और ये निश्चित था कि वो डुबनेवाले थे, और न्युटन कैपटन से कहते हैं, यदि परमेश्वर हम पर दया न करे, तो हम डूब जाएंगे, और कैपटन चौक गएं, क्योंकि यहाँ एक कठोर, झुठा, बड़ा शराबी, गुलाम बेचनेवाला व्यक्ति कह रहा है, यदि परमेश्वर हम पर दया न करे तो क्या?

तो सारे लोग मिलकर पानी बाहर निकालने की कोशीश कर रहे थे कि जहाज तैरता रहे, न्युटन के पास एक बाइबल थी जो उनकी माँ ने उन्हें दी थी/ और जहाज पर उन्होंने ये वचन पढा/ अब इस वचन के बारे में सोचिए, ये सच में नीतिवचन से है, और वो इसे पढ रहे थे, और वो पढते हैं, तुम मेरी डाँट सुनकर मन फिराओ, सुनो, मैं अपनी आत्मा तुम्हारे लिए उण्डेल दूँगा, मैं तुम को अपने वचन बताऊँगा/ वरन तुम ने मेरी सारी सम्मति को अनसुनी किया, और मेरी ताड़ना का मूल्य न जाना, इसलिए मैं भी तुम्हारी विपत्ति के समय हंसूगा, और जब तुम पर भय आ पड़ेगा, वरन आंधी की नाई तुम पर भय आ पड़ेगा, और विपत्ति बवण्डर के समान आ पड़ेगी, और तुम संकट और सकेती में फंसोगे, तब मैं ठट्ठा करूँगा. याने ये व्यक्ति बहुत डर गया था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, जी हाँ याने आप सीधे मुद्दे पर मार रहे हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी वो बहुत डर गया था/ याने जैसे हम अनुमान लगा सकते हैं, तूफान थम गया, लेकिन न्युटन बाइबल पढने लगे, क्या मैं यहाँ ये वचन पढ सकता हूँ जैसे मैंने इसे अपनी किताब में लिखा है?

उसने कहा कि मुझे कोई चाहिए जो मेरे और पवित्र परमेश्वर के बीच खड़ा हो, जो मेरे पाप और निन्दा का दण्ड उठाएं, मुझे सर्वशक्तिमान उद्धारक की जरुरत है, जो बीच में आएं, और मेरे पाप दूर कर दे, मैंने देखा कि मसीह ने मेरा दण्ड उठा लिया, कि मुझे माफ किया जाएं, कोई आश्चर्य नही उन्होंने लिखा, अदभुत अनुग्रह, कितना सुंदर जिसने मुझ पापी को बचाया/ लेकिन जॉन अभी भी बहुत से लोग हैं जो नही जानते हैं कि अनुग्रह कितना अदभुत है/ मुझे याद है शिकागो में, एक न्युज़ कॉमेन्ट्रेटर थे, जिन्होंने न्युज़ पेपर में एक लेख लिखा, वो इस तरह था, मेरे आत्मिक जीवन और परमेश्वर के साथ चलने के लिए मैं किसी दिन कुछ करुँगा, यदि मैं उसके बारे में गंभीर होता हूँ तो/ अब उन्होंने कह सच में, मैं अनुग्रह की दशा में नही हूँ, लेकिन मैं इसके बारे में कुछ कर सकता हूँ, यदि मैं इसके बारे में गंभीर होता हुँ/ खैर सरल बात तो ये है जॉन कि ये आदमी अब तक नही समझ रहे हैं/ ये अनुग्रह का स्वभाव नही जानता है/ क्योंकि हम अपनी दशा के बारे में कुछ नही कर सकते, चाहे उसके बारे में कितने भी गंभीर क्यों न हो/ जब तक हम ये सोचते हैं कि हम इसके बारे में कुछ कर सकते हैं/ तो हमने अभी भी अनुग्रह को नही समझा है/ ये हमारे लिए परमेश्वर की असीम कृपा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, इसके बारे में बताते रहे और साथ ही एक और कैटगरी जोड़ीए/ ऐसे बहुत से लोग हैं जो कहते हैं, जानते है, अनुग्रह बहुत जरुरी है, वो अनुग्रह का प्रोग्राम रखते हैं, लेकिन अनुग्रह का प्रोग्राम, इसमें कुछ भाग प्रभु का अनुग्रह है/ और इसका कुछ भाग तो वो करते हैं, वो भी इस बात को नही समझते/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी नही जानते/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बताईए क्योंकि उन्हें इस पर विवाद करना चाहिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: क्योंकि देखिए बहुत से लोगों के मन में, अनुग्रह मेरी मदत करता है/ खैर सरल सच्चाई है कि हमें मदत नही चाहिए, हमें पुनरुत्थान चाहिए/ देखिए जब हम इफिसीयों अध्याय 2 पढते हैं, प्रेरित पौलुस कहता है कि हम मसीह में आने से पहले, हम अपने अपराध और पाप में मरे हुए थे/ अब कल्पना करे, कि आप कब्रस्थान से जा रहे हैं और आप कहते हैं, मैं सच में चाहता हूँ कि ये लोग जो कब्र में हैं, ये कंकाल जी उठे/ लेकिन जानते हैं, मुझे इनकी कुछ मदत करनी होगी, नही, उन्हें मदत नही चाहिए, उन्हें परमेश्वर के हाथ से अदभुत चमत्कार चाहिए/ वो मदत की जरुरत से परे हैं/ मसीह के बिना हम भी इसी तरह हैं/ सच में प्रेरित पौलुस स्पष्ट रुप में कहता है, उसने तुम्हें भी जीलाया, तो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे, जिन में तुम पहले इस संसार की रीति पर और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात उस आत्मा के अनुसार चलते थे, वो ये सच्चाई बताता है कि हम सच में, हम शैतान से धोका खाते/ हम ये बात नही जानते, सच में वो आगे कहता है कि हम धोका खाते हैं, क्योंकि हम अपनी अभिलाषा में चलते हैं/ और हमारी यही दशा है/ और और याने सवाल है, इस तरह की दशा में पड़े लोगों की हम कैसे मदत कर सकते हैं/ अब याद दिलाऊँ, वो अपराध और पाप में मर रहे हैं, इसके अर्थ नही कि वो कोलाराडो में स्किईंग करने नही जा सकते/ इसका ये अर्थ नही कि वो ग्रोशरी शॉपिंग में नही जा सकते/ या सिफनी नही जा सकते, या जिन्दगी का मज़ा न ले, या ये प्रोग्राम न देखे/ वो ये सब कर सकते हैं/ एक बात जो वो नही कर सकते हैं/ कि खुद को जीवन दे, ये प्रभु की ओर से होना चाहिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: देखिए अनुग्रह के लिए हर तरह के वर्शन्स हैं/ ये अनुग्रह है जो परमेश्वर देता है/ साथ ही चर्च की विधी, और अनुग्रह और कुछ काम हैं, जो लोग कहते हैं कि उन्हें करना है/ और वो सहमत हैं एक तो चर्च के अधिकार से, या अपने खुद के धार्मिक ग्रुप से, या उससे हटकर, कुछ लोग कहते हैं मैं चर्च में नही जाऊंगा, लेकिन अच्छा रहुंगा/ और जिस हद तक अच्छा रहुंगा और मैं कोशीश करुंगा, इसके बारे में बहुत इमानदार रहेगे, मैं जानता हूँ कि सिद्ध नही हूँ, लेकिन जो काम मैं नही करुंगा, वही प्रभु का अनुग्रह आता है, लेकिन वो अपेक्षा करता है कि मै कोशीश करुं, मैं इसे करुंगा/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन मैं चाहता हूँ कि लोग जान ले, आपने जो भी अभी बताया, वो अपनी बड़ी जरुरत नही जानते, और उनके पास अनुग्रह के बारे में बाइबल की समझ नही है/ विधीयों के बारे में जल्दी से बता दुँ, हम जानते हैं कि यीशु ने प्रभु भोज की विधी स्थापित की/ और बपतिस्मा भी,

कुछ लोग सोचते हैं कि अनुग्रह इस ज़रिये से बताया जाता है/ लेकिन बाइबल बहुत ही स्पष्ट है, कि निश्चिय ही परमेश्वर के साथ हमारा चलना, तो प्रभु के हाथों में हैं, मनुष्य के हाथों में नही/ या याजक के हाथों में भी नही/ दूसरे शब्दों में, और प्रभु सिधा मनुष्य के दिल में काम करता है/ ये दर्शानेवाले हैं, जो यीशु मसीह ने स्थापित की थी/ और वो उद्धार के जरिये नही, जिसके द्वारा हम बेहतर और बेहतर हो जाएं और आशा करते हैं कि किसी जगह पर, आप इतने अच्छे होगे कि स्वर्ग में प्रवेश कर सके/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं सोचता हूँ कि आप बिलकुल मुद्दे पर हैं, तो लोग कहेगे जानते हैं अरविन मैं यहाँ ये सूंध रखता हूँ, कि आपके पास अनुग्रह के लिए अलग परिभाषा है, मेरी परिभाषा से, और मैं नही जानता कि ये क्या है, आप मूडी मेमोरियल चर्च के पास्टर हैं/ तो मैं अब आपसे ये पुछना चाहता हूँ, आपकी परिभाषा क्या है, जैसे आप कहते हैं, ये बाइबल में है, ये क्या है, अनुग्रह की परिभाषा क्या है जिस पर अब तक चर्चा भी नही हुई है/ जिससे ये सब गलत होते हैं, तो बताईए अनुग्रह क्या है?

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर जॉन, मैं यहाँ बाइबल से बताना चाहता हूँ/ हम इफिसियो 2 में हैं, पौलुस कहता है, हम अपराध और पाप में मरे हुए थे, और फिर वो कहता है, लेकिन, हम स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे, वचन 4, परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है, अपने उस बड़े प्रेम के कारण जिससे उसने हम से प्रेम किया/ जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे तो हमें मसीह के साथ जिलाया/

मैं यही कहना चाहता हूँ जॉन/ अनुग्रह परमेश्वर की असीम कृपा है/ लेकिन उसकी असीम कृपा नही जो हमें बेहतर व्यक्ति होने के लिए मदत करती, या उसमें जोड़ती है जो हमने पहले ही किया है/ अनुग्रह पूरी तरह से, उद्धार के लिए परमेश्वर का काम है/ जब यीशु लाज़र की कब्र के सामने खड़ा था, उसने ये नही कहा ठीक है लाज़र तुम इसका कुछ भाग करना और मैं कुछ भाग करता हूँ/ यदि तुम अपना हाथ हिलाऊँ, तो मैं बाकि काम करूँगा/ उसे इसे पूरा करना पड़ा/ लेकिन बाइबल कहती कि उद्धार शुरु से अंत तक प्रभु का काम है/ हम ये समझ सकते हैं जॉन, कोई आज इसे सुनकर कहते हैं, हाँ, लेकिन, कम से कम मुझे विश्वास करना होगा, ये सत्य है/ लेकिन वो विश्वास भी प्रभु देता है/ याने यदि आज कोई ये देख रहा है जो विश्वास करना चाहता है, ये अदभुत है/ हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि वो ऐसा करे, लेकिन हमें समझना होगा कि ये पूरी तरह से परमेश्वर से है/ हमारा सहयोग... क्या हम कोई सहयोग देते हैं/ जी हम करते हैं, अपने पाप देते हैं/ हम एक मेज़ पर आते हैं. हम कुछ नही लाते केवल बड़ी जरुरत लाते/ अनुग्रह का अर्थ, मैं केवल

बेहतर होने के लिए नही आता हूँ/ मैं चमत्कार के लिए आता हूँ, अनुग्रह का मतलब मैं केवल इसलिए नही आता, क्योंकि मैं सोचता हूँ कि मैं, कुछ मदत लेकर कर सकता हूँ/ मुझे बचाया जाना चाहिए/ और इसलिए अनुग्रह इतना अदभुत है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब हम ब्रेक लेगे और वापस आने पर चर्चा करेगे कि क्यों अनुग्रह पूरा उपहार है जो स्वयं परमेश्वर ने तैयार किया है, उसने इसे खरिदा और वो उपलब्ध करवाता है, आपके लिए, आप कुछ नही करते, बस खुशी से स्वीकार करते हैं, जब आप समझते हैं कि प्रभु ने क्या किया ये अदभुत है/ हम चर्चा करेगे कि इस पैकेज में क्या है/ परमेश्वर ने क्या किमत चुकाई, और लोग कैसे पा सकते हैं, तो बने रहे, जल्द लौटेगे/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम लौट आएं हैं और चर्चा कर रहे हैं डॉक्टर अर्विन लूथज़र से, इस विषय पर कि कैसे जान ले और कैसे निश्चित हो को परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताएंगे, मैं सोचता हूँ कि आप निश्चित होना चाहते हैं, हम चर्चा कर रहे हैं कि अनुग्रह क्या है/ जी ये हमारे लिए मुफ्त में है, ये भेट है जो परमेश्वर तैयार कर हमारे लिए उपलब्ध करवाता है, लेकिन अर्विन इसके लिए प्रभु ने बड़ा दाम दिया/ कि ये भेंट दे/ आपके पास महान कहानी है, उसके बहुत से एन्गल हैं, हमें अनुग्रह के बारे में बताएं, उस कहानी के बारे में/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर एक मिशनरी थे, जो अविश्वासी के दोस्त थे, और इस दोस्ती का उद्देश अवश्य ही हम एक दूसरे का आदर करते हैं, लेकिन साथ ही मिशनरी अविश्वासी को बताना चाहते थे, कि उद्धार तो मुफ्त का वरदान होना चाहिए, शायद मुझे यहाँ रुककर बताना होगा कि ये मुफ्त का वरदान क्यों होना चाहिए/ ये ऐसा है जिसके लिए हम कुछ नही करते, और यीशु मसीह ने इसके लिए दाम चुकाया/ अविश्वासी इसे नही खरिद रहे थे, क्योंकि उनके मन में इसके लिए काम जुड़े होते हैं/ लेकिन मिशनरी ट्रीप पर जाने से पहले, अविश्वासी ने इस मिशनरी को एक बहुत ही सुंदर मोती दिया/ जिसे शायद ही किसी ने देखा होगा/ और अविश्वासी ने कहा, जानते हैं ये मोती मेरे बेटे ने पानी से निकाला गया, और इस दौरान वो डूब गया/ और मिशनरी बहुत आभारी होकर कहने लगे, आपका बहुत बहुत धन्यवाद/ मैं इसके लिए दाम देना चाहता हूँ/ और अविश्वासी को बुरा लगा और कहा, दाम

से आपका मतलब, क्या आप इस मोती पर किसी तरह की किमत लगा सकते हैं, जिसके लिए मेरे बेटे की मृत्यु हुई है/

तब अविश्वासी ये समझने लगे, इसलिए यीशु ने क्रूस पर जो किया उसके लिए हम प्रभु को कोई किमत नही दे सकते हैं/ हम कैसे दाम चुका सकते हैं परमेश्वर के प्रेम के लिए, प्रभु के अनुग्रह के लिए, जहाँ यीशु हमारे लिए बलिदान हो गया/ और हमारा पाप उठानेवाला हो गया/ और हम इस पर ज़ोर देनेवाले हैं, अगले प्रोग्राम में/ लेकिन हम परमेश्वर को कैसे चुका सकते हैं/ इसलिए पूरे अनंतकाल में हम प्रभु के कर्जदार होगे, इसलिए मैं सोचता हूँ कि स्वर्ग स्तुती से भरा होगा/ इसलिए हम इस पृथ्वी पर जो कल्पना करते हैं, उससे भी सुंदर रुप में देख पाएंगे/ सच्चाई ये है कि हमने प्रभु के अनुग्रह से उद्धार पाया है/ और केवल प्रभु के अनुग्रह से ही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अरविन कुछ लोग इसे सुनते हैं और कहते हैं, सुनिए, ये अब भी सत्य है कि मैं अपने पडौसी से उत्तम हूँ, ठिक है, मतलब क्या ये अच्छा नही/ मतलब मुझे इस बात का रेकॉर्ड रखना चाहिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: सबसे पहले कहना चाहुंगा कि मुझे खुशी है कि ये व्यक्ति कहता है/ कि वो अपने पडौसी से उत्तम हैं/ लेकिन दुर्भाग्यवश हम ऐसी दशा में नही कि खुद का न्याय करे, कुछ भी हो बहुत से लोग खुद को ऊँचा उठाते हैं/ लेकिन जॉन बात तो ये है, चलिए इफिसियो 2 में चलते हैं/ हम मर गएं थे अपराध और पाप में, मसीह के बिना/ देखिए शायद दो मृतदेह हो, और ये व्यक्ति 20 साल पहले मरे थे, और ये व्यक्ति 3 दिन पहले ही मरे थे/ क्या इससे कोई फर्क पड़ता है/ यदि उन्हें जीवित करता है तो दोनों को एक ही चमत्कार चाहिए/ सरल सच्चाई ये है, कि हम एक ही वंश के भागी हैं/ उन्होंने जो किया शायद वो हमने नही किया होगा/ लेकिन सरल सच्चाई है कि हम सब पापी हैं/ और हम खुद से नही कह सकते, कि उन्हें प्रभु की क्षमा चाहिए लेकिन मुझे नही/

ऐलेक्ज़ेनडर सोलज़निटज़न ने इसे बहुत अच्छे से कहा, कि क्या ये अच्छा नही होता, कि संसार में अच्छे लोग होते और बुरे लोग होते/ हम सब अच्छे लोगों को एक तरफ रखते और बुरे को दूसरी ओर/ लेकिन उन्होंने कहा कि वो लाईन तो बुरे लोग और अच्छे लोगों के बीच नही/ ये लाईन सच में

उनके बीच नही है/ उन्होंने कहा कि अच्छे और बुरे के बीच की लाईन तो हर मनुष्य के दिल में होती है/ आप और मैं जानते हैं जॉन/ मैं अकसर कहता हूँ कि अच्छे व्यक्ति भी कईबार जो करते हैं हम उससे चौक जाते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: इस के संबंध में बताऊं, हम उन लोगों से कह रहे हैं जो सोचते हैं कि वो बहुत अच्छे हैं, ये अनुग्रह नही चाहिए/ और दूसरी ओर हमें जानना होगा कि बहुत से लोग हैं, जो महसुस करते हैं कि वो बहुत बुरे हैं, उन्होंने जीवन में गडबड़ी की है/ मैं बताना चाहता हूं कि अनुग्रह कितना सामर्थी है, कि किसी व्यक्ति को बदल दे, आपने अपनी किताब में जवान दम्पत्ति का अदभुत उदाहरण दिया है/ ज़रा बताईए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, चलिए मैं इसे बताता हूँ, सबसे पहले ये कहता हूँ, कि दो तरह के लोगों को अनुग्रह स्वीकार करना बहुत मुश्किल होता है/ पहले तो वो हैं जिन्होंने बहुत पाप किया है/ नैतिक पाप, वेश्याएँ, ड्रग डीलर्स, वो ये सोचते हैं कि मैंने इतनी गडबड़ी की है कि प्रभु मुझ पर गुस्सा होगा/ मैं अनुग्रह स्वीकार नही सकता/ दूसरे लोग जिन्हें अनुग्रह स्वीकार करना मुश्किल होता है, वो अच्छे दुचित्ते लोग हैं, याने धार्मिक/ मतलब क्या वो सामाजिक काम करने आगे नही आते, क्या उन्होंने दान में पैसा नही दिया/ क्या वो सारे बिल्स नही चुकाते, उनका अपराधी रेकॉर्ड नही है/ उन्हें अनुग्रह क्यों चाहिए/ सरल बात ये है कि इन दोनों तरह की लोगों को अनुग्रह की बहुत ज्यादा जरुरत है/ और दोनों अनुग्रह को स्वीकार कर सकते हैं, और इसलिए मैं इस तरह सोचता हूँ, खैर मैं बताऊं यीशु ने कहा कि स्वर्ग राज्य में वेश्याओं का प्रवेश करना आसान होगा, उन लोगों कि तुलना में जो उस समय के धार्मिक लोग होते हैं, जिन्हें परमेश्वर के अदभुत अनुग्रह की जरुरत नही, तो इसे ड्रग डिलर और वेश्याओं को दे/ क्योंकि वो जानते हैं कि यदि वो उद्धार पाएंगे तो ये केवल अनुग्रह से होगा/

जानते हैं एक दिन जॉन, मैं एक चर्च में था और एक जवान दम्पत्ति सामने आएं/ और मैं उन्हें सलाह दे रहा था, और ये उनकी कहानी है/ ठिक है, वो मसीह को उद्धारकर्ता जानती थी, लेकिन वो वाईफ स्वॉपिंग क्लब के थे, और वो अपने पती को चर्च में लेकर आई, मुझे नही लगता कि वो आना चाहते थे, मुझे लगता है कि वो उन्हें खिंचकर लाई/ मुझे लगता है कि वो वहाँ उसी तरह आएं जैसे कोई ऑफरिंग प्लेट में नकली सिक्का डालता है/ वो वहाँ थे, उनकी पत्नी उन्हें लाई थी, और सभा के बाद

वो सामने आएं, उन्होंने कहा कि मैं वाईफ स्वॉपिंग कल्ब में भरोसा करता हूँ, नही उन्होंने कहा मैं वहाँ जाता हूँ उसका भाग हूँ/ लेकिन मुझे पता था कि उनकी पत्नी हालही में मसीह के पास आई थी/ तो मैंने उनसे कहा क्या आप मसीह को उद्धारक स्वीकार करना चाहते हैं, मैं कभी भूलुंगा, उन्होंने कहा, यदि आप सोचते हैं कि मैं जो कर रहा हूँ उसे करना बंद कर दुंगा/ उसने कहा नही हो सकता/ क्योंकि उन्होंने कहा, मैं इससे किसी तरह बाहर नही आ सकता/ सामान्य रुप में वो कह रहे थे कि ये लत बहुत बुरी होती है/ मैंने उन से कहा क्या आप ये मानते हैं कि आप एक पापी हैं, और आपको मसीह को उद्धारक स्वीकार करना होगा/ और आपको प्रभु का अनुग्रह स्वीकार करना है/ कि प्रभु आपको स्वीकार करे, तो कहा हाँ/

तो मैंने वो किया जिसके लिए बहुत हिचखिचाता हूँ/ मैंने अनुग्रह पर दाव लगाया/ मैंने कहा आप मसीह को उद्धारक स्वीकार करे, जब तक आप ये जानते हैं, नंबर एक कि आप पापी हैं और अपना उद्धार नही कर सकते/ आप खुद को असाह्य होकर प्रभु की दया पर आधारित रहते हैं/ और मसीह को पाप उठानेवाला स्वीकार करते हैं, और वाइफ स्वापिंग कल्ब की चिन्ता बाद में कर लेगे/ उसी दिन उन्होंने मसीह को स्वीकार किया/ और मैं सोचने लगा, सोच रहा था कि क्या उनका जीवन बदल गया/ कुछ हफ्तों बाद, उन्होंने मुझ से मुलाकात करने के लिए अपॉन्टमेन्ट ली, मैंने सोचा किस पर चर्चा करेगे/ जानते हैं उनके अजेन्डा में एक ही बात थी/ कि किस बाइबल कॉलेज में जाऊँ/ क्योंकि वो सेवकाई में जाना चाहते थे/

यहाँ दो सामर्थी पाठ हैं, अनुग्रह के बारे में/ सबसे पहले, अनुग्रह तो उन्हें दिया जाता है, जो बहुत परेशान होते हैं चाहे उनकी जीवनशैली कुछ भी हो/ उनके लिए अनुग्रह उपलब्ध है/ लेकिन दुसरा पाठ है/ एक बार प्रभु का अनुग्रह प्राप्त करने के बाद/ हम फिर पहले जैसे नही रहते/ अगले प्रोगाम में हम चर्चा करेगे कि नया जन्म पाने का मतलब क्या है/ और हम देखेगे कि प्रभु हमें नया स्वभाव देता है, नई इच्छाएँ, नई प्रेरणा, याने ये मनुष्य पहली जीवनशैली में नही जाना चाहते थे/ परमेश्वर ने उन्हें बिलकुल प्राथमिकता दी थी/ ये है अनुग्रह/ और इसलिए ये बहुत अदभुत है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: इस सेगमेन्ट के अंत में बताईए, यीशु ने दो लोगों के बारे में कहा, दोनों ने अनुग्रह में विश्वास किया/

डॉक्टर अरविन लुथजर: ओ जॉन, ये बहुत ही सामर्थी कहानी है, जो लूका में पाई जाती है/ दोनों ने अनुग्रह पर विश्वास किया/ ये आदमी आराधनालय में जाता है, और कहता है परमेश्वर तेरा धन्यवाद करता हूँ, कि मैं दुसरे मनुष्य जैसे नही, जो व्यभीचारी है, पापी हैं, और ये सब, वो कहता मैं हफ्ते में दो बार उपवास करता हूँ/ मैं अच्छा व्यक्ति हूँ/ उसने इसके लिए प्रभु को धन्यवाद दिया, अनुग्रह पर विश्वास किया, उसने विश्वास किया कि वो ये भले काम कर सकता है, परमेश्वर के वरदान की सामर्थ में ही/ फिर एक और मनुष्य था, चुंगी लेनेवाला, उसने हिम्मत कर ऊपर देखने की कोशीश भी नही की, बाइबल कहती है कि उसने स्वर्ग की ओर सिर भी नही उठाया/ उसने छाती पीटकर कहा प्रभु दया कर/ मुझ पापी पर/ और यीशु ने कहा, दूसरा व्यक्ति धर्मी होकर घर गया लेकिन पहला नही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये बहुत ही सामर्थी है, याने दो लोगों ने अनुग्रह पर विश्वास किया, एक ने अनुग्रह में गलत विश्वास किया, और उसे सही नही ठहराया गया/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल/ एक ने विश्वास किया कि अनुग्रह बेहतर व्यक्ति होने में मदत करता है/ दूसरे ने अनुग्रह पर विश्वास किया जो उससे बहुत बढकर था/ अनुग्रह जो किसी को गडढे से निकाल सकता है/ किसी के पास आधारित रहने के लिए कुछ नही था/ और आज इस प्रोग्राम को देखनेवाले, हमें देखनेवाले लोग जॉन, कोई इस तरह होगा, मैं सच में विश्वास करता हूँ, कि मैं कुछ नही कर सकता, मैंने बड़ी गडबड़ी की है/ मैं कही नही जा सकता/ मैंने दुसरे लोगों के जीवन को नाश किया है/ मुझे लोगों से पत्र आते हैं, जो जेल में हैं, वो बताते हैं कि कितन भयानक काम किया है/ और वो खुद के लिए कहते कि मेरे लिए कोई आशा नही है/ आज मैं उन्हें बताना चाहता हूँ कि उनके लिए आशा है, क्योंकि अनुग्रह बहुत ही अदभुत है, शायद उनके लिए ज्यादा आशा है, उन धार्मिक लोगों से जो अब देख रहे हैं, जो चर्च में जाते हैं, जो सोचते हैं कि वो अच्छा कर रहे हैं, धन्यवाद/ और अनुग्रह आकर उनकी मदत करता है, लेकिन दुसरा व्यक्ति जानता है/ कि अनुग्रह केवल मदत ही नही करता, ये मुझे अदभुत चमत्कार देता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं चाहता हुँ कि आप इन लोगों के साथ प्रार्थना करे, दोस्तों यदि आप सुन रहे हैं, क्या आपने जाना ये इस सुसमाचार के बारे में जो ये कह रहे हैं, शायद आप अच्छे दूचित्ते हो, शायद

चर्च में जानेवाले हो/ और आप संदेह करते हैं, अकसर सोचते क्या कर पाएंगे, क्योंकि आप अपने अच्छे काम करते हैं, आप कहते हैं कि परमेश्वर उसमें जोड़ देगा/ आप किसी तरह से आधारित रहे हैं, चाहे थोड़ा ही हो, अपने अच्छे कामों में, तो ये समस्या है, आपको इन सारी बातों को दूर करना होगा/ और जानना होगा कि परमेश्वर ने मसीह के द्वारा सबकुछ दिया है, मसीह ने वो सब किया जो पिता के सामने स्वीकार करने के लिए जरुरी था/

दूसरी ओर, शायद आप उन में से हो, आपने सोचा परमेश्वर आपके साथ कुछ नही करना चाहता है/ याने आप अच्छी जगह पर हैं/ कि जान ले वो आपसे इतना प्रेम करता है, कि आपको पूरा पैकेज दे, माफी दे, आपसे संबंध रखे, यदि आप प्रभु यीशु पर भरोसा रखते हैं, या आप अभी ये करना चाहते हैं, डॉक्टर अरविन क्या आप प्रार्थना में अगुवाई करेगे, इन लोगों के लिए जो चाहते हैं, कि उसे दूर करे जिस पर आधारित हैं कि वो इन्हें प्रभु की उपस्थिती में लाएं, स्वर्ग में ले जाएं, पापों की क्षमा दिलाएं, और ये चाहते हैं कि पूरा भरोसा रखे केवल मसीह पर और उस पर पूरी तरह विश्वास करे/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, ठीक है आईए प्रार्थना करे, प्यारे पिता आज मैं तेरा धन्यवाद करना चाहता हूँ, यीशु के अदभुत दान के लिए, धन्यवाद कि अनुग्रह सच्चे पापी को बचाता है, भयानक पापी को, अब हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं जो ये प्रोग्राम देख रहे हैं, और हम चाहते हैं कि तू इन पर अनुग्रह कर कि ये ऐसी प्रार्थना कर सके, हे परमेश्वर मैं जानता हूँ कि मैंने पाप किया है, मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ, जैसे ये गीत कहता है कि मेरे जैसे महापापी को, लेकिन इस पल मैं मसीह को स्वीकार करता हूँ, उसकी दया पर भरोसा करता हूँ, मेरी खुद की भलाई में सारी आशा तो छोड़ता हूँ, और मेरे खुद के काम को/ और अपना पूरा भरोसा लाता हूँ, उस पर जो मुझे बचाने के योग्य है, और वो मेरे पाप उठाने के लिए आया/ मैं उसे स्वीकार करता और प्रतिज्ञा प्राप्त करता/ कि जितनों ने उसे स्वीकार किया/ उन्हें उसने परमेश्वर की संतान होने का अधिकार दिया है/ उन पर भी जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं/ इन लोगों को शाश्वति दे/ विश्वास की शाश्वति, हम प्रार्थना करते हैं, यीशु के नाम में, आमीन/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यद्द ठ्ठड़ड़्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्द्दध्र्.द्दद्धढ़

@JAshow.org

क्द्दद्रन्र्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ङक्ष्